प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 26 जुलाई, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार आज सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जमशेदपुर के प्लेटिनम जुबिली समारोह में सम्मिलित हुए और संस्था को 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सिंहभूम चैम्बर केवल एक संस्था नहीं, बल्कि झारखंड के औद्योगिक इतिहास की आत्मा रही है, जिसने दशकों से राज्य को दिशा भी दी है और दशा भी बदली है। उन्होंने संस्था की नींव रखने वाले संस्थापकों के दृष्टिकोण, परिश्रम और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने जमशेदपुर को एक आदर्श सामाजिक-औद्योगिक मॉडल बताते हुए कहा कि टाटा समूह की दूरदृष्टि ने इस नगरी को न केवल औद्योगिक, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और कौशल विकास के क्षेत्रों में भी अग्रणी बनाया है। उन्होंने शहर द्वारा स्वच्छता रैंकिंग में देश में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर नागरिकों को बधाई दी।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड के चैम्बर इन पहलों में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों, श्रमशक्ति और युवाशक्ति से समृद्ध है और यदि उद्योग, नीति और कौशल का समन्वय हो, तो यह राज्य देश की आर्थिक रीढ़ बन सकता है।

राज्यपाल महोदय ने आह्वान किया कि चैम्बर सामाजिक विकास, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के कार्यों में भी पूर्ण रुचि लें व गहराई से जुड़ें ताकि विकास समावेशी बने। उन्होंने कहा कि झारखण्ड राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम करना है, विशेषकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमारा राज्य राष्ट्रीय स्तर पर बहुत पीछे है। उद्योग को आगे बढ़ाने हेतु शिक्षा के क्षेत्र में चैम्बर की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है।

उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय से चैम्बर के सदस्यों ने अपने विचारों को भी साझा किया।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज माईकल जॉन प्रेक्षागृह, जमशेदपुर में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में संचालित स्वावलंबी झारखंड माइक्रो वेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर (SJMDC) द्वारा आयोजित 'तेरहवां वार्षिक लघु ऋण वितरण समारोह' को संबोधित करते हुए संस्था को महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए बधाई दी तथा कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आये आत्मबल, आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज भी देश की लाखों महिलाएं, विशेषकर ग्रामीण और वंचित वर्ग की, परंपरागत बैंकिंग प्रणाली से दूर हैं। ऐसी स्थिति में इस प्रकार की संस्थाओं द्वारा उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान कर आत्मबल, विश्वास एवं स्वावलंबन की राह दिखाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अब लघु लेकिन सशक्त उद्यमों के जरिए आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनका इस क्षेत्र में व्यक्तिगत अनुभव भी रहा है। उन्होंने कहा कि बरेली में 25 वर्ष पूर्व एक सहकारी बैंक की स्थापना की थी, जो आज मल्टी-स्टेट बैंकों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। यह बैंक वर्ष भर, सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक कार्य करता है। उन्होंने कहा कि वास्तव में छोटे ऋण देना आसान कार्य नहीं है, लेकिन उनका मानना है कि यदि महिला को ऋण दिया जाए, तो वह उसे अवश्य लौटाती है। इसी विश्वास पर यह प्रणाली सफल हो सकती है और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने 'लखपति दीदी योजना' का भी उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड की महिलाएं आज आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त हो रही हैं। बैंकिंग, विपणन, उद्यमिता और वित्तीय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में वे दक्षता के साथ नेतृत्व कर रही हैं। यह परिवर्तन केवल आय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मसम्मान, निर्णय क्षमता और सामाजिक नेतृत्व का भी प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज ऋण प्राप्त करने वाली महिलाएं भविष्य में न केवल अपने परिवारों को संबल देंगी, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेंगी। उन्होंने स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी झारखंड माइक्रो वेलफेयर डेवलपमेंट सेंटर

(SJMDC) की संपूर्ण टीम को इस सामाजिक आंदोलन को निरंतर गति देने हेतु शुभकामनाएं दीं तथा सभी लाभार्थी महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।